Report on Valedictory of Training Program on

'Plant Tissue Culture for Production of Quality Planting Material of Bamboos'

A three-day training program on 'Plant Tissue Culture for Production of Quality Planting Material of Bamboos' was successfully conducted by Genetics and Tree Improvement Division from 19th February to 21st February 2025 at ICFRE—Tropical Forest Research Institute, Jabalpur. The training program aimed to provide hands-on experience and theoretical knowledge about modern tissue culture techniques to enhance the production of high-quality bamboo planting material. The initiative focused on capacity-building for forest personnels involved in bamboo cultivation. The main objectives of the training program was, to introduce officers to the fundamentals of plant tissue culture and its applications in bamboo propagation, provide practical exposure to micropropagation techniques, discuss the challenges and solutions in large-scale production of tissue-cultured bamboo plants and enhance participants' skills for plant tissue culture. The training program was attended by twenty forest officials of Maharashtra State Forest Department (Social Forestry), including Divisional Forest Officers, Assistant Conservator of Forests and Rage Forest Officers of different forest divisions of Maharashtra. The training was structured into lectures, demonstrations, and hands-on practical sessions. Valedictory of the training programme was organised under the chairmanship of Dr. Harish Singh Ginwal, Director, ICFRE-TFRI, Jabalpur on 21st February 2025. He underscored the role of Maharashtra state forest department in development of bamboo research sector and their devotion to forestry research from the 1990s itself. Dr. Fatima Shirin, the training coordinator, explained about the activities conducted during the training programme. She mentioned that practical demonstrations and lectures about plant tissue culture were liked very much by the participants. The trainees expressed their heartfelt gratitude to the organizers for structuring useful training programme for forest officials. They expressed interest in more advanced training sessions and requested continued mentorship. Certificates for completion of training was distributed to the participants along with mementos followed by vote of thanks delivered by Dr. Kaushal Tripathi, Scientist-C. Valedictory ceremony was compeered by Ms. Komal Rani, Scientist-B. This training programme was in line with government efforts to encourage bamboo production as a sustainable and economically beneficial activity.

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन की रिपोर्ट
'पादप ऊतक संवर्धन द्वारा बांस की उत्तम गुणवत्ता की रोपण सामग्री का उत्पादन'

आनुवंशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग द्वारा भा. वा. अ. शि. प.- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान , जबलपुर में 19 फरवरी से 21 फरवरी 2025 तक 'पादप ऊतक संवर्धन द्वारा बांस की उत्तम गुणवत्ता की रोपण सामग्री का उत्पादन ' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले बांस रोपण सामग्री के उत्पादन को बढ़ाने के लिए आधुनिक टिशू कल्चर तकनीकों के बारे में व्यावहारिक अनुभव और सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना था। यह पहल बांस के उत्पादन में शामिल वन कर्मियों के लिए क्षमता निर्माण पर केंद्रित था। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों को पादप ऊतक संवर्धन के मूल सिद्धांतों और बांस प्रजनन में इसके अनुप्रयोगों से परिचित कराना , सूक्ष्मप्रवर्धन तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना , ऊतक-संवर्धित बांस पौधों के बड़े पैमाने पर उत्पादन में चुनौतियों और समाधानों पर चर्चा करना और पादप ऊतक संवर्धन के लिए प्रतिभागियों के कौशल को बढ़ाना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य वन विभाग (सामाजिक वानिकी) के बीस वन अधिकारियों ने भाग लिया , जिनमें महाराष्ट्र के विभिन्न वनमंडलों के प्रभागीय वन अधिकारी, सहायक वन संरक्षक और रेंज वन अधिकारी शामिल थे। प्रशिक्षण को व्याख्यान , प्रदर्शन और व्यावहारिक सत्रों में संरचित किया गया। 21 फरवरी, 2025 को आईसीएफआरई-टीएफआरआई, जबलपुर के निदेशक डॉ. हरीश सिंह गिनवाल की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन का आयोजन किया गया। उन्होंने बांस अनुसंधान क्षेत्र के विकास में महाराष्ट्र राज्य वन विभाग की भूमिका और 1990 के दशक में वानिकी अनुसंधान के प्रति उनकी समर्पण को रेखांकित किया। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. फातिमा शिरिन ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आयोजित गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि प्रतिभागियों द्वारा पादप ऊतक संस्कृति के बारे में व्यावहारिक प्रदर्शन और व्याख्यान बहुत पसंद किए गए थे। प्रशिक्षुओं ने वन अधिकारियों के लिए उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने के लिए आयोजकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने अधिक उन्नत प्रशिक्षण सत्रों में रुचि व्यक्त की और निरंतर मेंटरशिप का अनुरोध किया। प्रशिक्षण पूरा करने के लिए प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह के साथ प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जिसके बाद डॉ. कौशल त्रिपाठी, वैज्ञानिक-सी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। समापन समारोह का संचालन सुश्री कोमल रानी , वैज्ञानिक-बी द्वारा किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बांस उत्पादन को

एक सतत और आर्थिक रूप से लाभकारी गतिविधि के रूप में प्रोत्साहित करने के सरकारी प्रयासों के अनुरूप था।

HANDS ON THREE DAYS TRAINING PROGRAMME ON
For
MAHARASHTRA STATE FOREST DEPARTMENT
19th February to 21st February, 2025
Dr. H. S. Ginwal
Dr. Fatima Shirin

HANDS ON THREE DAYS TRAINING PROGRAMME ON
PLANT TISSUE CULTURE FOR PRODUCTION OF QUALITY PLANTING MATERIAL OF BAMBOOS
पादप ऊतक संवर्धन द्वारा बांस के उत्तम गुणवत्ता के पौधों का उत्पादन
For
MAHARASHTRA STATE FOREST DEPARTMENT
(SOCIAL FORESTRY) PERSONNEL
19th February to 21st February, 2025
TROPICAL FOREST RESEARCH INSTITUTE
Smt. Neelu Singh
Dr. H. S. Ginwal
Dr. Fatima Shirin